अध्याय-1

स्थिति एवं विस्तार

(LOCATION & EXTENT)

हमारा देश भारत विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। भारत की समृद्ध प्राकृतिक विविधता ने इसे अनेक सांस्कृतिक विविधताओं से अलंकृत किया है। सिंधु घाटी की प्राचीन सभ्यता भारत में ही विकसित हुई। बिहार में स्थित वैशाली विश्व का पहला गणराज्य है। अत: भारत का विश्व के इतिहास में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसके नाम पर एक महासागर (हिन्द महासागर) है। यह दक्षिण एशिया में भारत की महत्त्वपूर्ण स्थिति को दर्शाता है। पिछले कुछ दशकों में भारत ने सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में अद्‌भुत प्रगति की है। किन्तु बढ़ती हुई जनसंख्या भारत के सर्वांगीण विकास में बाधक सिद्ध हो रही है।

© BSTBPC

स्थिति

भारत एक विशाल देश है। इसका मुख्य भू-भाग 8°4′ उत्तर से 37°6′ उत्तर अक्षांश तथा 68°7′ पूर्व से 97°25′ पूर्व देशांतर तक फैला है। यदि हम भारत के द्वीप समूहों को सम्मिलित करते हैं तब इसका दक्षिण में विस्तार 6°45′ उत्तर अक्षांश से शुरू होता है। भारत का दक्षिणतम् बिंदु इन्दिरा प्वाईंट है जो अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में स्थित है। 23°30′ उत्तरी अक्षांश (कर्क रेखा) भारत के बीचो-बीच से गुजरती है एवं इसे लगभग दो भागों में बाँटती है। भारत की स्थिति, अक्षांशीय विस्तार, देशांतरीय विस्तार, सीमा रेखा आदि चित्र संख्या 1.1 में स्पष्ट है।

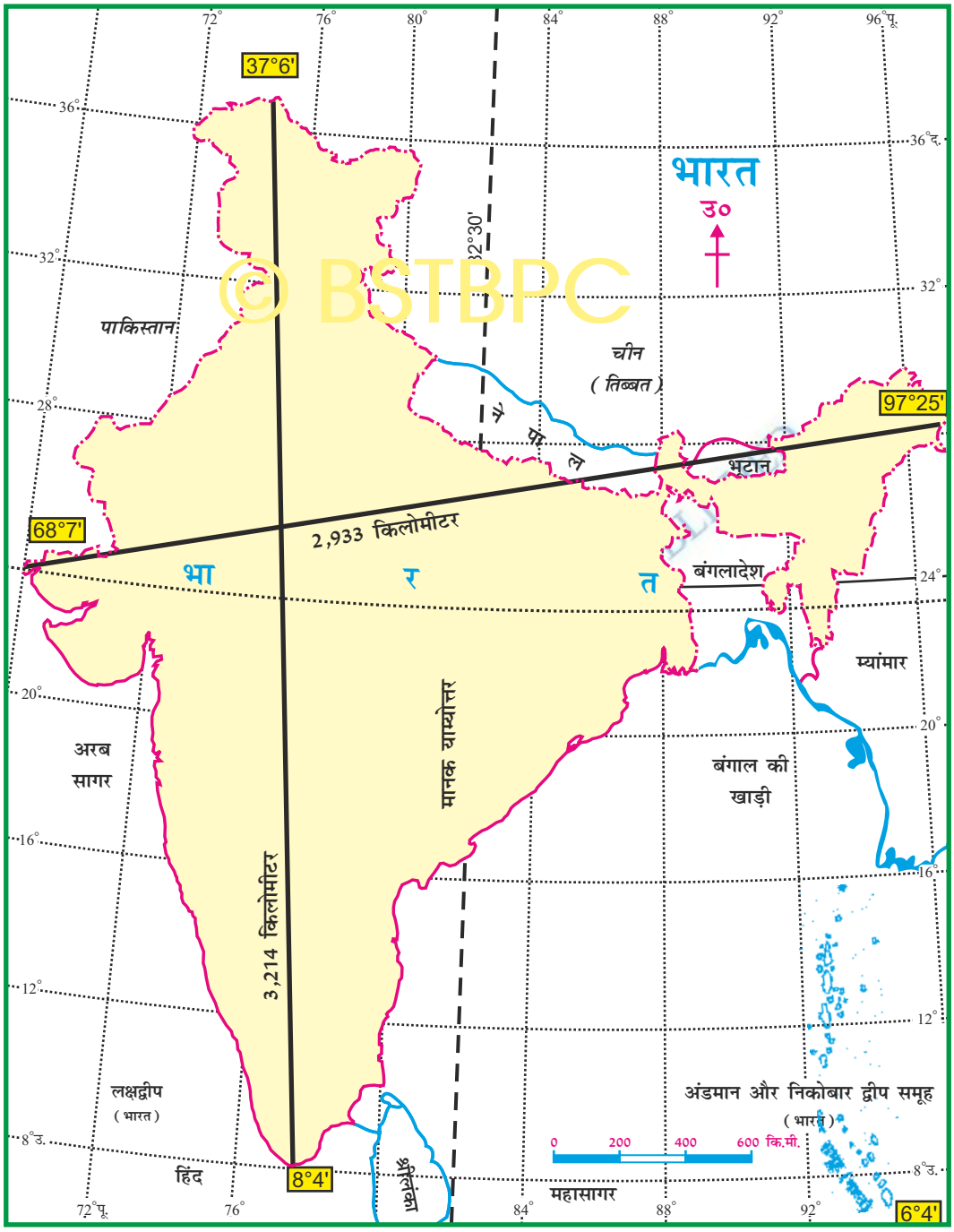

चित्र 1.1 : भारत -विस्तार एवं मानक रेखा

आकार

भारत का क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग कि.मी. है जो विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4% है। चित्र संख्या 1.2 से भारत के क्षेत्रफल की सापेक्षिक स्थिति विश्व के अन्य देशों के साथ स्पष्ट है।

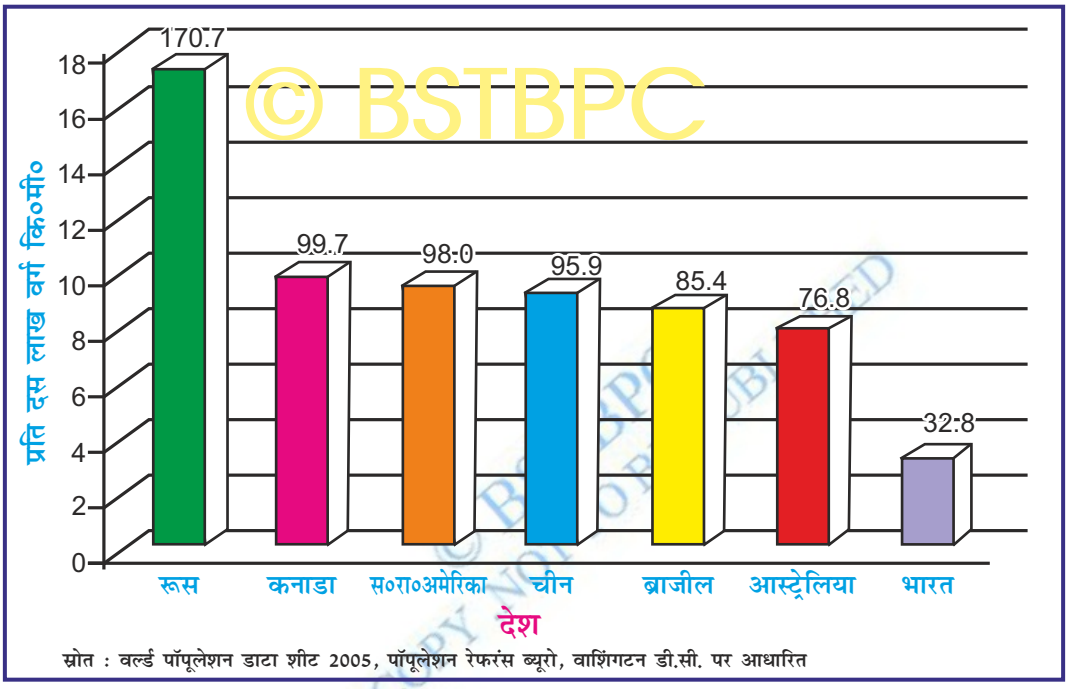

© BSTBPC

स्रोत : वर्ल्ड पॉपूलेशन डाटा शीट 2005, पॉपूलेशन रेफरंस ब्यूरो, वाशिंगटन डी.सी. पर आधारित

चित्र 1.2 : विश्व के सात बड़े देश

भारत की स्थल सीमा रेखा – भारत की स्थल सीमा रेखा अत्यन्त विशाल है। इसकी स्थल सीमा रेखा, तटीय सीमा रेखा के लगभग दोगुनी है। स्थल सीमा रेखा की कुल लंबाई 15, 200 कि.मी. है। मुख्य भूमि की तटीय सीमा रेखा 6,100 कि.मी. लंबी है। भारतीय द्वीपों की तटीय सीमा रेखा सम्मिलित करने पर इसकी कुल लंबाई 7, 516.6 कि.मी. हो जाती है।

विश्व के सात बड़े देश

(1) रूस (2) कनाडा (3) चीन
(4) यू.एस.ए. (5) ब्राजील
(6) आस्ट्रेलिया (7) भारत

भारत मोटे तौर पर त्रिभुजाकार है। इसका उत्तरी भाग चौड़ा है और दक्षिणी भाग लगभग 22° उत्तरी अक्षांश से दक्षिण की ओर क्रमशः पतला होता गया है। सबसे अन्तिम

छोर पर भारत की मुख्य भूमि ने अंतरीप का रूप ले लिया है। इसे कुमारी अंतरीप या कन्याकुमारी कहते हैं।

क्या आप जानते हैं कि :

समुद्र की ओर मुख्य स्थलीय भाग का निकला हुआ सँकरा या पतला भाग जो तीन ओर समुद्र से घिरा हो अंतरीप कहलाता है। बच्चों, विश्व में विद्यमान अन्य अंतरीपों के नाम इकट्ठा करे।

भारत के प्रायद्वीपीय आकार के कारण – (1) पूरब में बंगाल की खाड़ी, (2) पश्चिम में अरब सागर तथा (3) दक्षिण में हिन्द महासागर। यह तीनों ओर समुद्र से घिरा है। इसी प्रायद्वीपीय आकार के कारण भारत की स्थलीय सीमा इतनी लंबी है तथा हिन्द महासागर के मध्य भाग में स्थित है। भारत की उत्तर पश्चिम तथा उत्तर एवं उत्तर-पूर्वी सीमा पर नवीन मोड़दार पर्वत स्थित है।

© BSTBPC
WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार का प्रभाव

भारत का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार दोनों लगभग समान (30^0) है, किन्तु भूमि पर दोनों में वास्तविक दूरी समान नहीं है। इसका कारण यह है कि पृथ्वी पर अंतरअक्षांशीय दूरी समान रहती है किन्तु अंतरदेशांतरीय दूरी जैसे-जैसे ध्रुव की ओर जाते हैं कम होती जाती है।

भारत में अरुणाचल प्रदेश और कच्छ के बीच स्थानीय समय में 2 घंटे का अंतर है। जब अरुणाचल प्रदेश में सूर्योदय होता है उस समय कच्छ में अंधेरा रहता है और वहाँ 2 घंटे बाद सूर्योदय होता है। ऐसा दोनों में 30^0 देशांतरीय विस्तार के कारण होता है।

पृथ्वी 24 घंटे में 360^0 देशांतर घूम जाती है। अत: 1^0 देशांतर पार करने में पृथ्वी को 4 मिनट का समय लगता है। सौराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश के बीच 30^0 देशांतर का अंतर है। अत: $30^0 \times 4$ मिनट =120 मिनट यानी 2 घंटा हुआ।

भारत की मानक देशान्तर रेखा $82^0 30'$ पूर्वी देशांतर है जो इलाहाबाद (नैनी) से होकर गुजरती है। मानक मध्याह्न रेखा चुनते समय इस बात का ध्यान

रखा जाता है कि वह देश के बीचो बीच से गुजरती हो तथा $7^0 30'$ का गुणांक हो ताकि $7^0 30'$ देशांतरीय दूरी पर स्थित स्थानों के बीच 30 मिनट का समयान्तर हो।

कर्क रेखा ($23\frac{1}{2}^0$ उत्तरी अक्षांश) भारत के बीचो-बीच से गुजरती है और इसे लगभग दो बराबर भागों में बाँटती है। यह कर्क रेखा हमारे पड़ोसी राज्य झारखंड की राजधानी राँची तथा पड़ोसी देश बंगलादेश से होकर गुजरती है।

अब हमें यह देखना है कि अक्षांशीय विस्तार या दूरी का भारतीय जन-जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? भारत का उत्तरी किनारा जम्मू-कश्मीर राज्य में है तथा $37^0 6'$ अक्षांश रेखा इसके उत्तरी किनारे से गुजरती है। अत: विषुवत् रेखा से यह काफी दूरी पर है तथा सूर्य की किरणें यहाँ अत्यन्त तिरछी पड़ती हैं। परिणामत: यहाँ सूर्य ताप कम मिलता है और जाड़े की ऋतु में अत्यधिक ठंढक पड़ती है। इसके विपरीत भारत का दक्षिणी भाग-केरल और तमिलनाडु राज्य विषुवत् रेखा के काफी निकट है। अत: यहाँ सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत सीधी पड़ती हैं और सूर्य ताप अधिक मिलता है। इस तरह जाड़े में जम्मू-कश्मीर में पुरुष गर्म कपड़े और चादरों में लिपटे रहते हैं वहीं केरल का किसान लुंगी पहने नंगे बदन खेती करता है। अधिक अक्षांशीय विस्तार का प्रभाव दिन और रात की अवधि पर भी पड़ता है। केरल में सबसे छोटे एवं सबसे बड़े दिन में 45 मिनट का अंतर है जबकि लेह जो लद्दाख की राजधानी है में यह अंतर 5 घंटे का पाया जाता है।

भारतीय मानक समय ग्रीनवीच स्टैन्डर्ड टाइम से $5\frac{1}{2}$ घंटा आगे हैं। भारतीय मानक समय के कारण ही भारत में घड़ियाँ सभी जगह एक ही समय बताती हैं जबकि पूर्वी राज्यों में सूर्योदय कच्छ की तुलना में लगभग 2 घंटे पहले से होता है।

मानचित्र पर विभिन्न दर्रों का नाम एवं स्थिति ज्ञात कीजिए।

भारत तथा विश्व

भारत अपनी प्रायद्वीपीय आकृति के कारण हिंद महासागर के शीर्ष पर स्थित है। पश्चिमी तट से यूरोपीय देश दक्षिण-पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका तथा पूर्वी तट से

एशियाई देशों तथा आस्ट्रेलिया के साथ भारत को संबंध स्थापित करने में सुविधा होती है। हिन्द महासागर में भारत जैसी महत्त्वपूर्ण स्थिति एशिया के किसी अन्य देशों की नहीं है इसीलिये एक महासागर का नाम भारत देश के नाम पर रखा गया। (चित्र संख्या-1.3)

ज्ञात कीजिये- बोध गया का अंतरराष्ट्रीय महत्त्व क्या है ? यह किस राज्य में स्थित है ?

भारत का विश्व के अन्य देशों से संपर्क केवल समुद्री जलमार्ग द्वारा ही नहीं था, बल्कि उत्तर की विशाल पर्वतमाला हिमालय के बीच स्थित दर्रों से भी था। भारत का पश्चिमी, मध्य पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी एशिया के विभिन्न देशों के साथ अद्‌भुत संपर्क रहा है। इस प्रकार एशियन तथा पंचतंत्र की कहानियाँ, उपनिषदों के विचार, बौद्ध धर्म, भारतीय अंक एवं दशमलव प्रणाली आदि विश्व के विभिन्न भागों तक पहुँच सका है। मसाला, मलमल कपड़े अन्य सामान भारत से विभिन्न देशों में निर्यात होता था। इसके विपरीत यूनानी स्थापत्य कला तथा पश्चिमी एशिया की वास्तुकला के मीनारों तथा गुम्बदों के प्रभाव हमारे देश के विभिन्न भागों में देखा जा सकता है।

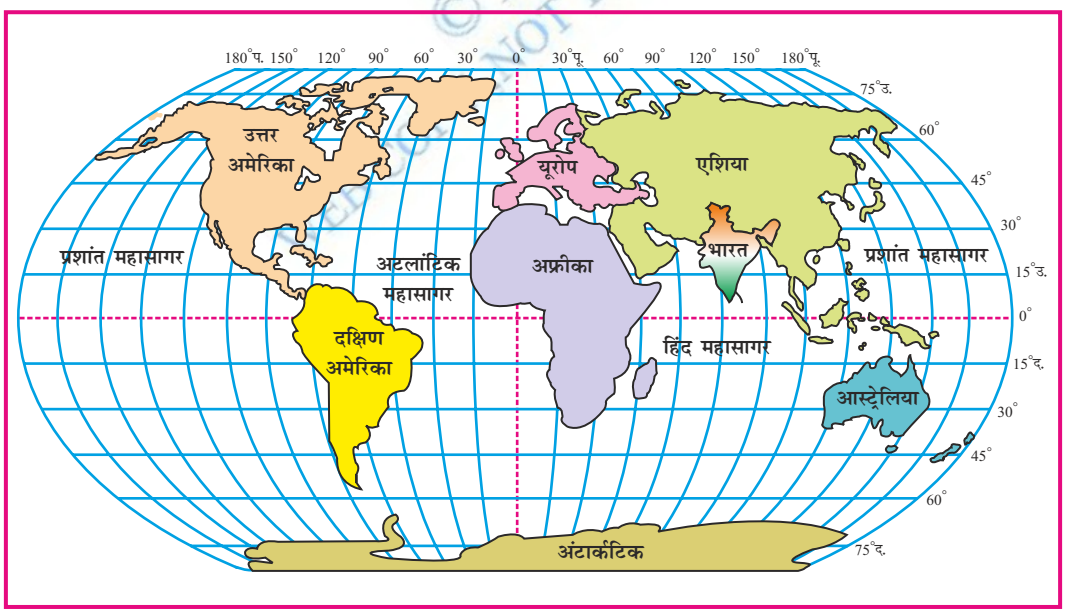

चित्र 1.3 : भारत और विश्व

भारत के पड़ोसी देश

दक्षिण एशिया में भारत का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है तथा भारत सार्क (SAARC - साउथ एशियन एसोसियेशन फॉर रीजनल को-ऑपरेशन) का सदस्य है।

सार्क के निम्नलिखित सदस्य हैं- भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव, अफगानिस्तान।

भारत की स्थल सीमा सात देशों को छूती है। इन देशों के नाम हैं - पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, बंगलादेश तथा म्यांमार। श्रीलंका एवं मालदीव हिंद महासगार में स्थित द्वीपीय पड़ोसी देश हैं। श्रीलंका भारत से मन्नार की खाड़ी तथा पाक जलसंधि द्वारा अलग होता है। भारत की मुख्य भूमि पर स्थित धनुषकोटि से श्रीलंका का तट मात्र 24 कि.मी. दूर है। इस रेखीय द्वीपों की शृंखला को एडम्स ब्रिज के नाम से जाना जाता है। उत्तर एवं उत्तर-पूर्व में स्थल भाग में भारत की सीमा रेखा पर्वत शृंखला द्वारा निर्धारित होती है। जम्मू-कश्मीर में एक क्षेत्र ऐसा है जहाँ भारत अफगानिस्तान और चीन की सीमाएँ मिलती हैं। इस क्षेत्र से कुछ ही दूरी पर पाकिस्तान, तजाकिस्तान की सीमाएँ हैं। इस तरह इतने निकटस्थ पाँच देशों की सीमाएँ होने से यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील है। जम्मू-कश्मीर के उत्तर-पूर्व में तिब्बत का पठार है जो अब चीन के अंतर्गत है। यहाँ कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील स्थित है। इसके बाद उत्तर-पूरब की ओर बढ़ने पर नेपाल- भारत का एक अन्य पड़ोसी देश हिमालय की गोद में बसा हुआ है। सांस्कृतिक दृष्टि से नेपाल भारत के बहुत निकट है। प्राचीन काल से ही हमारे संबंध नेपाल के साथ घनिष्ठ रहे हैं। नेपाल में हिमालय से निकलने वाली नदियाँ बिहार के मैदानी क्षेत्र से होकर गंगा नदी में मिलती हैं। कोसी नदी जिसे **बिहार का शोक** कहा जाता है। इसका उद्‌गम नेपाल में है। दोनों देशों में कोसी नदी पर एक संयुक्त परियोजना विकसित हुई है जिसके कारण पारस्परिक सहयोग एवं मैत्री भावना को बल मिला है। नेपाल में कोसी तटबंध के टूट जाने से 18 अगस्त 2008 को उत्तरी बिहार में भयंकर बाढ़ आयी। इसलिये भारत के लिये नेपाल का राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बहुत महत्त्व है।

नेपाल के पूरब में भूटान स्थित है जो भारत के साथ एक विशेष समझौते से

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

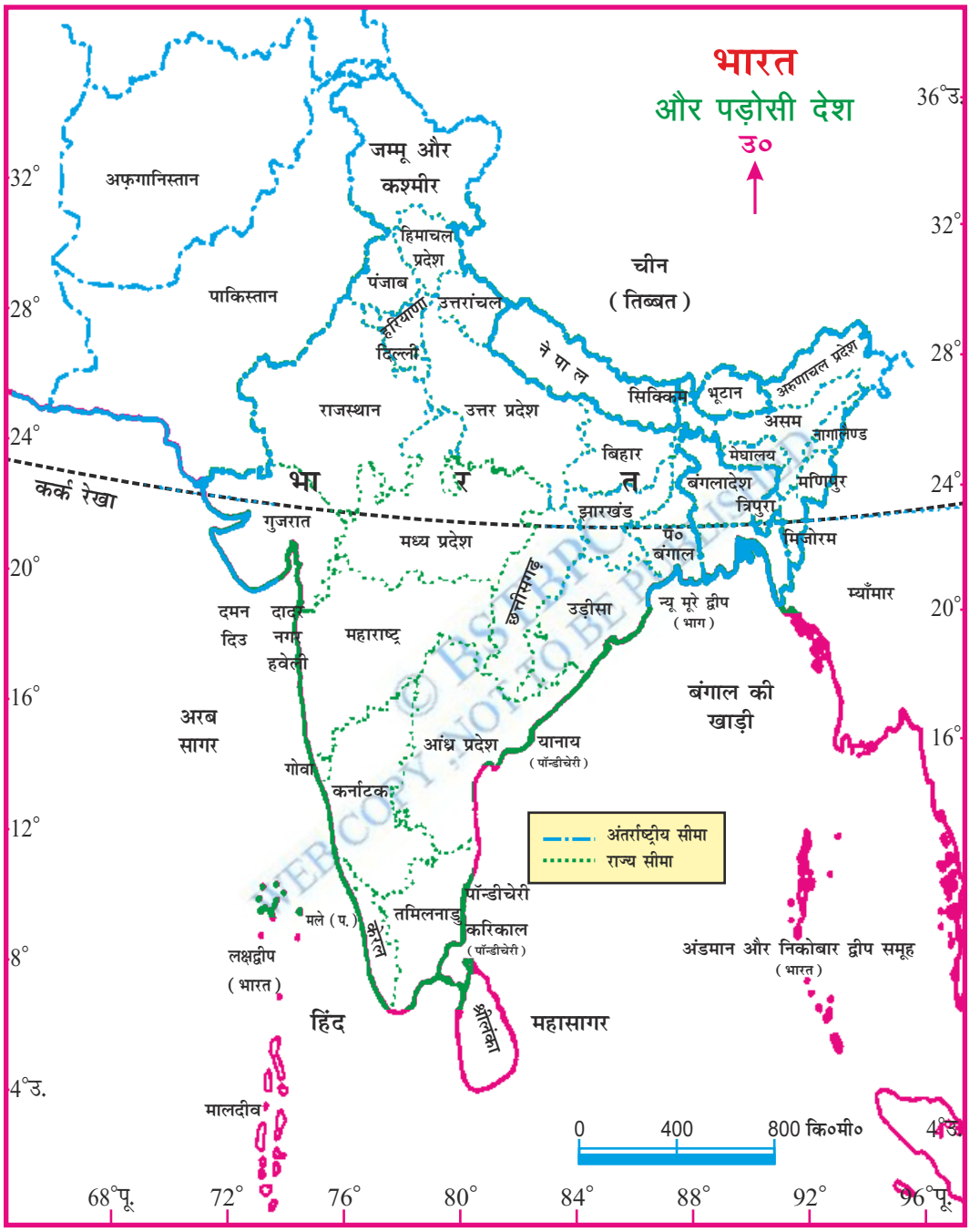

चित्र 1.4 भारत और पड़ोसी देश

जुड़ा है। वस्तुतः आज भी भूटान की सुरक्षा एवं विकास की जिम्मेदारी भारत की है। भूटान के पूरब में भारत एवं चीन की सीमा रेखा हिमालय की श्रेणियों से होकर गुजरती है। इस सीमा रेखा का नाम **मैकमोहन रेखा** है। अरुणाचल प्रदेश के उत्तर-पूरब में भारत, चीन तथा म्यांमार तीनों देशों की सीमाएँ एक बिंदु पर आकर मिलती हैं।

इसके बाद पूर्वांचल की पहाड़ियाँ हैं। ये म्यांमार को भारत से अलग करती हैं। दक्षिण में ये पहाड़ियाँ म्यांमार के अराकान योमा पर्वत में मिल जाती हैं। आगे चलकर ये बंगाल की खाड़ी में डूब जाती हैं तथा पुनः अंडमान निकोबार द्वीप समूह के रूप में प्रकट होती हैं। उत्तर एवं पूरब के क्षेत्र में स्थित ये पर्वतमालाएँ अत्यंत ही जटिल एवं उबड़-खाबड़ हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्तर एवं पूरब के क्षेत्र में आवागमन एवं परिवहन अत्यंत ही कठिन रहा है। इन क्षेत्रों में स्थित पड़ोसी देशों से भारत का सम्पर्क भी आसान नहीं रहा है। अब यातायात के आधुनिक साधनों के विकसित होने से इस क्षेत्र में इण्डो-तिब्बतन महामार्ग विकसित हुआ है। यह सड़क शिपकी दर्रे से होकर गुजरती है। दूसरा पर्वतीय मार्ग- कश्मीर-लेह मार्ग है जो उच्च पर्वत श्रेणियों से होकर गुजरता है। तीसरा प्रमुख मार्ग सिक्किम के एक दर्रे से होकर गुजरता है। वायुमार्ग के विकसित होने पर अब ये ऊँची पर्वत शृंखलाएँ अगम्य नहीं रह गई हैं।

© BSTBPC

ज्ञात कीजिए :

भारत के कितने राज्यों की सीमाएँ बंगलादेश तथा पाकिस्तान को छूती हैं ?

पश्चिम बंगाल के पूरब में हमारा एक अन्य पड़ोसी देश - बंगलादेश स्थित है। इसी तरह पश्चिम में हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान स्थित है, भारत और पाकिस्तान के बीच स्थित सीमा रेखा को **रेड क्लिफ लाइन** कहते हैं।

अभ्यास प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(1) क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन-सा स्थान है ?

(क) 7वाँ (ख) 9वाँ (ग) 5वाँ (घ) 8वाँ

(2) भारत के अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार में लगभग कितने डिग्री का अंतर है ?

(क) 45^0 (ख) 40^0 (ग) 30^0 (घ) 35^0

(3) भारत की मानक मध्याह्न रेखा का मान है –

(क) $83^{0}30'$ (ख) $81^{0}35'$ (ग) $82^{0}30'$ (घ) $80^{0}30'$

(4) भारत की स्थलीय सीमा रेखा तटीय सीमा रेखा के लगभग कितनी बड़ी है ?

(क) आधी (ख) दुगुनी (ग) तिगुनी (घ) चौगुनी

(5) भारत एवं चीन के बीच की सीमा रेखा का नाम है –

(क) रेडक्लिफ लाइन (ख) मैकमोहन लाइन (ग) ग्रीनवीच लाइन

(घ) इनमें से कोई नहीं।

रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए –

(1) भारत का क्षेत्रफल .... वर्ग कि.मी. है जो विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का .... % है।

(2) भारत का मुख्य भू-भाग .... उत्तर से .... उत्तर अक्षांश तथा .... पूर्व देशांतर से .... पूर्व देशांतर तक है।

(3) भारत में कुल .... राज्य एवं .... केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

(4) श्रीलंका भारत से .... एवं .... द्वारा अलग हुआ है।

(5) कोसी नदी को बिहार का .... कहते हैं जो हिमालय के .... पर्वत से निकलती है।

कारण बताओ

(1) भारत का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार लगभग समान है किन्तु भूमि पर दोनों की वास्तविक दूरी समान नहीं है, क्यों ?

(2) भारत के अरुणाचल प्रदेश के निवासी सौराष्ट्र के निवासियों की तुलना में सूर्योदय होने से 2 घंटा पहले ही उठ जाते हैं, क्यों ?

(3) भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य में जाड़े की ऋतु में जहाँ लोग गर्म कपड़े में लिपटे रहते हैं वहीं दक्षिणी राज्य केरल के निवासी खुले बदन एवं लुंगी में रहते हैं, क्यों ?

(4) भारत की तटीय सीमा रेखा काफी लंबी है, क्यों ?

लघु उत्तरीय प्रश्न :

(1) भौगोलिक क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से भारत से बड़े सभी देशों का नाम क्रमवार से लिखें।

© BSTBPC
© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

(2) बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में स्थित भारत के द्वीप समूहों का नाम लिखें।

(3) भारत की स्थलीय सीमारेखा को छूने वाले सभी पड़ोसी देशों का नाम लिखें।

(4) भारत के कौन से राज्य अंतरराष्ट्रीय सीमा तथा समुद्र तट को स्पर्श नहीं करते हैं।

(5) जलसंधि किसे कहते हैं ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) भारत के अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार का इसके समय पर क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट करें।

© BSTBPC

मानचित्र कौशल

मानचित्र की सहायता से निम्नलिखित की पहचान करें –

(1) भारत के सभी राज्यों की राजधानियाँ

(2) केन्द्र शासित प्रदेशों की राजधानियाँ

(3) सबसे लंबी तटरेखा वाला राज्य

(4) भारत का दक्षिणतम बिंदु

(5) भारत के मुख्य भूमि का दक्षिण शीर्ष बिंदु

(6) भारत और श्रीलंका को अलग करने वाली जलसंधि

(7) भारतीय उपमहाद्वीप किन देशों से मिल कर बनता है ?

(8) सार्क सदस्यों को चिह्नित करें ।

WEBCOPY © BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

परियोजना कार्य

(1) अपने राज्य का विस्तार अक्षांश एवं देशांतर में ज्ञात कीजिये। अपने राज्य के पड़ोसी राज्यों का नाम तथा उनके स्थिति की दिशा ज्ञात करें।

(2) सेतु समुद्रम परियोजना से संबंधित जानकारियों को एकत्रित करें।

रेशम मार्ग के बारे में सूचना एकत्र कीजिये। यह भी ज्ञात कीजिये कि उच्च पर्वतीय क्षेत्र में आवागमन के मार्ग किस संस्था द्वारा विकसित किये जा रहे हैं ?